डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति (निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 28.09.2017

विश्वविद्यालय व भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान के मध्य

शोध उन्नयन हेतु एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया

कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित की पहल पर परिसर के लाइफ साइंसेज (जीवन विज्ञान) विभागों में शोध गुणवत्ता के उन्नयन हेतु आज लखनऊ स्थित भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आई0आई0टी0आर0) तथा विश्वविद्यालय के मध्य एम0ओ0यू0 (सहमति पत्र) हस्ताक्षरित किया गया। भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान की ओर से उक्त सहमति पत्र पर संस्थान के निदेशक प्रो0 आलोक धवन तथा विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने हस्ताक्षर किये।

आज लखनऊ में भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान के प्लेटिनम जुबली स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह का मंच डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिसर के लिए एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना जब शोध गुणवत्ता उन्नयन के संदर्भ में उक्त अनुसंधान संस्थान एवं विश्वविद्यालय के मध्य सहमति पत्र हस्ताक्षरित किया गया। उक्त कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित जीवन–विज्ञान क्षेत्र के अन्तर्राष्टीय ख्याति लब्ध वैज्ञानिक पदमश्री डा0 नित्यानंद ने भी इस अवसर पर सहमति पत्र हस्ताक्षरित किए जाने को एक ऐतिहासिक पल बताया। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो0 दीक्षित के अतिरिक्त पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 जसवंत सिंह भी इस एतिहासिक अवसर के गवाह बने।

ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय परिसर में संचालित जीवन विज्ञान क्षेत्र से जुडे विभागों यथा–बायोकेमेस्ट्री, पर्यावरण विज्ञान एवं माइक्रोबायलाजी विभागों में शोध की व्यापकता एवं गुणवत्ता उन्नयन के लिए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संसथानों से शोध क्षेत्र में तालमेल स्थापित करने के उददेश्य से गत दो माह से निरन्तर प्रयासरत था। कुलपति प्रो0 दीक्षित की प्रेरणा तथा प्रयास के फलस्वरुप विश्वविद्यालय को इस क्षेत्र में आज पहली सफलता प्राप्त हुई।

उक्त सहमत पत्र हस्ताक्षरित किए जाने के फलस्वरुप परिसर के जीवन–विज्ञान क्षेत्र से संबंधित उक्त तीन विभागों के शिक्षकों तथा शोध छात्रों को भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान लखनऊ के उच्च शोध से संबंधित समस्त उपकरणो एवं संसाधनों को उपयोग मे लाने की छूट प्राप्त हो जाएगी, जिसके फलस्वरुप परिसर के छात्र उच्च शोध से संबंधित क्रियाकलापों को निःशुल्क संपादित करने में सक्षम हो सकेगे। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा आयोजित किसी भी ट्रेनिंग प्रोग्राम, कार्यशाला संगोष्ठी तथा विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों में परिसर के शिक्षक एवं शोध छात्र निश्शुल्क प्रतिभाग कर सकेंगे। इस क्रम में सहमति पत्र के आधार पर विश्वविद्यालय एवं विषविज्ञान संस्थान संयुक्त रुप सें किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा संगोष्ठी का आयोजन कर सकेगे। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय अथवा विषविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक एक दूसरे के शोध छात्रों को अपने निर्देशन में शोध करा सकेंगे।

ज्ञात हो कि शैक्षणिक जगत में शोध को बढावा देने के उददेश्य से उक्त प्रकार के सहमति पत्रों को हस्ताक्षरित करना एवं संस्थानों के मध्य शोध सुविधाओं एवं संसाधनों का आदान–प्रदान विशिष्ट उपलब्धि माना जाता है।

नोट : फोटो संलग्न है।

मीडिया प्रभारी